DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

30 July, 2024

ओरोपोचे (Oropouche) बुखार

संदर्भ: *ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बाहिया राज्य में दो व्यक्ति ओरोपोचे बुखार से मरने वाले देश के पहले व्यक्ति बन गए हैं।*

➢ **एटियोलॉजी:**

- **वायरस:** ओरोपोचे वायरस (OROV), बन्याविरिडे (जीनस ऑर्थोबुनियावायरस) परिवार का एक सदस्य है।
- **प्राथमिक वेक्टर:** काटने वाला मिज (कुलिकोइड्स पैरेंसिस); मच्छर (क्यूलेक्स एसपीपी) भी वायरस को प्रसारित कर सकते हैं।

➢ **संचरण**

- **वेक्टर:** संक्रमित मिज (मुख्य रूप से कुलिकोइड्स पैरेंसिस) और मच्छरों के काटने से फैलता है।
- **भौगोलिक प्रसार:** ऐतिहासिक रूप से मध्य और दक्षिण अमेरिका और कैरिबियन में प्रचलित; क्यूबा सहित नए क्षेत्रों में हाल ही में प्रकोप (पहली बार 11 जून, 2024 को रिपोर्ट किया गया)।
- **मानव-से-मानव संचरण**: सीधे मानव-से-मानव संचरण का कोई सबूत नहीं है।

नैदानिक विशेषताएँ

➢ **लक्षण:**

- अचानक तेज़ बुखार आना
- सिरदर्द
- मांसपेशियों में दर्द (मायलगिया)
- जोड़ों में दर्द (आर्थ्रालिजिया)
- ठंड लगना
- मतली और उल्टी
- **ऊष्मायन अवधि**: लक्षण आमतौर पर काटने के 4-8 दिन बाद दिखाई देते हैं।
- **अवधि:** लक्षण आमतौर पर लगभग 7 दिनों तक रहते हैं।
- **जटिलताएँ:** गंभीर मामले दुर्लभ हैं, लेकिन इसमें मेनिन्जाइटिस या एन्सेफलाइटिस शामिल हो सकते हैं।

➢ **उपचार**

- **सहायक देखभाल**: कोई विशिष्ट एंटीवायरल उपचार उपलब्ध नहीं है।
- आराम
- एसिटामिनोफेन या NSAIDs के साथ दर्द और बुखार का प्रबंधन

➢ **महामारी विज्ञान और जलवायु कारक**

- **रोग का प्रसार:** ओरोपोचे बुखार ने हाल ही में मामलों में तेज वृद्धि देखी है, जो पहले प्रभावित नहीं हुए क्षेत्रों तक फैल गया है।
- **जलवायु प्रभाव**: मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय जलवायु से जुड़ा हुआ है, हालांकि गैर-उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भी प्रकोप हुआ है। वनस्पति का नुकसान और वनों की कटाई रोग के प्रसार में योगदान कर सकती है।
- **शोध की स्थिति**: इस बीमारी पर बहुत कम अध्ययन किया गया है, इसकी महामारी क्षमता और प्रसार पर सीमित डेटा है।

➢ **सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी विचार:**

- **नए मामले:** नए क्षेत्रों में मामलों का उभरना उच्च संवेदनशीलता और आगे प्रसार की संभावना का सुझाव देता है।
- **रोकथाम:** वर्तमान में, कोई टीका या विशिष्ट एंटीवायरल उपचार उपलब्ध नहीं है। नियंत्रण उपाय वेक्टर प्रबंधन और सहायक देखभाल पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

भारत रोजगार रिपोर्ट 2024

संदर्भ: *अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के संस्थापक सदस्य भारत से भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 के संबंध में संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की उम्मीद है।*

➢ **रोजगार स्थिति सूचकांक:**

- 2004-05 से 2021-22 तक सुधार हुआ।
- बिहार, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य लगातार निचले स्थान पर रहे।
- दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड और गुजरात जैसे राज्य लगातार उच्च स्थान पर रहे।

➢ **रोजगार स्थिति सूचकांक के संकेतक:**

- नियमित औपचारिक रोजगार में श्रमिकों के प्रतिशत के आधार पर।
- इसमें आकस्मिक मजदूरों का प्रतिशत और गरीबी रेखा से नीचे स्वरोजगार करने वाले श्रमिकों का अनुपात शामिल है।
- कार्य सहभागिता दर, आकस्मिक मजदूरों की औसत मासिक आय, माध्यमिक शिक्षा और उससे ऊपर की शिक्षा प्राप्त लोगों में बेरोजगारी दर और रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण में शामिल नहीं होने वाले युवाओं की संख्या का पता लगाता है।

▶ Figure 2.7. Share of employment (UPSS, aged 15+), by work status, 2000, 2012, 2019 and 2022 (%)

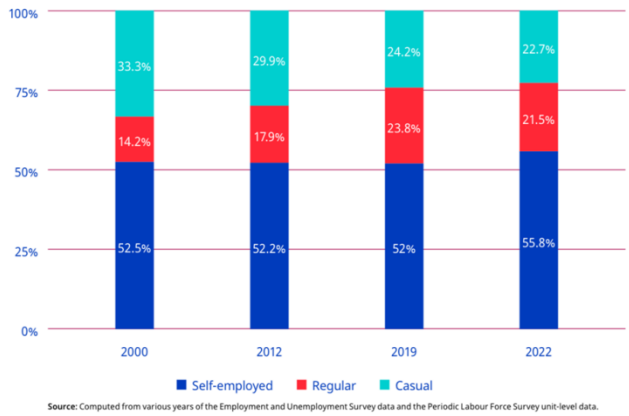

Source: Computed from various years of the Employment and Unemployment Survey data and the Periodic Labour Force Survey unit-level data.

➢ **रिपोर्ट में उजागर की गई चिंताएँ:**

- कृषि से गैर-कृषि रोजगार में धीमा संक्रमण।
- स्वरोजगार और अवैतनिक पारिवारिक कार्य में वृद्धि, विशेष रूप से महिलाओं में।
- वयस्कों के रोजगार की तुलना में युवा रोजगार की खराब गुणवत्ता।
- स्थिर या घटती मजदूरी और आय।

➢ **रोजगार की गुणवत्ता:**

- लगभग 82% कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हैं।
- लगभग 90% श्रमिक अनौपचारिक रूप से कार्यरत हैं।
- स्वरोजगार और अवैतनिक पारिवारिक कार्य में वृद्धि, विशेष रूप से महिलाओं में।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

➢ **महिलाओं की भागीदारी:**

- महिला श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में 2000 से 2019 तक 14.4 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई।
- एलएफपीआर में 2019 से 2022 तक 8.3 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई।

▶ Figure 4.3. Labour force participation rate (UPSS) of youths and adults, by gender, 2000, 2012, 2019 and 2022

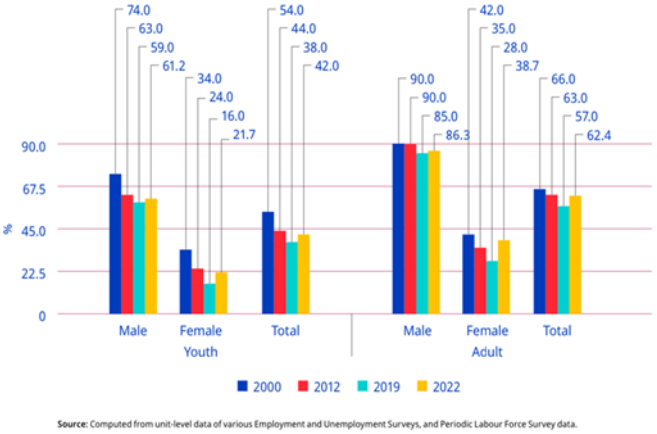

Source: Computed from unit-level data of various Employment and Unemployment Surveys, and Periodic Labour Force Survey data.

➢ **संरचनात्मक परिवर्तन:**

- कुल रोजगार में कृषि का हिस्सा 2000 में 60% से घटकर 2019 में 42% हो गया।
- निर्माण और सेवाओं में रोजगार 2000 में 23% से बढ़कर 2019 में 32% हो गया।

➢ **युवा रोजगार:**

- युवा रोजगार में वृद्धि हुई, लेकिन गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है।
- 2022 में कुल बेरोजगार आबादी में युवाओं की हिस्सेदारी 82.9% थी।
- युवा बेरोजगारी 2000 में 5.7% से बढ़कर 2019 में 17.5% हो गई, फिर 2022 में घटकर 12.1% हो गई।
- लॉकडाउन के बाद रिकवरी के साथ-साथ खराब गुणवत्ता वाली नौकरियों में भी वृद्धि हुई।

➢ **रिपोर्ट की मुख्य बातें:**

- राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (2000-2022) पर आधारित।
- महिला एलएफपीआर में 2019 से सुधार हुआ है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में।
- स्वरोजगार और आकस्मिक काम प्रमुख बने हुए हैं।
- आकस्मिक मजदूरों के लिए वास्तविक मजदूरी में मामूली वृद्धि हुई; नियमित श्रमिकों के लिए मजदूरी स्थिर या घट गई।
- शहरीकरण और प्रवासन दरों में अनुमानित वृद्धि।

➢ **युवा रोजगार चुनौतियां:**

- भारत एक और दशक तक जनसांख्यिकीय लाभांश क्षेत्र में बना रहेगा।
- युवा आबादी 2021 में 27% से घटकर 2036 तक 23% होने की उम्मीद है।
- श्रम बल में सालाना 7-8 मिलियन युवाओं की वृद्धि होगी।
- लॉकडाउन के बाद की रिकवरी में खराब गुणवत्ता वाली नौकरियाँ शामिल हैं।

➢ **सिफारिशें:**

- रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।
- रोजगार की गुणवत्ता में सुधार किया जाना चाहिये।
- श्रम बाजार की असमानताओं को दूर किया जाना चाहिये।
- कौशल और सक्रिय श्रम बाजार नीतियों को मजबूत किया जाना चाहिये।
- श्रम बाजार के पैटर्न और युवा रोजगार को समझने में अंतर को दूर किया जाना चाहिये।

राष्ट्रीय संस्कृति कोष

संदर्भ: *संसद में राष्ट्रीय संस्कृति कोष के बारे में जानकारी प्रसारित की गई।*

➢ **स्थापना और उद्देश्य:**

- भारत सरकार द्वारा धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम, 1890 के तहत, 1996 में राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से स्थापित।
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से कला और संस्कृति के लिए प्रत्यक्ष समर्थन को सक्षम करने के लिए एक अलग वित्त पोषण तंत्र के रूप में बनाया गया।
- भारत की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने, सुरक्षा और संरक्षण के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने का लक्ष्य।

प्रबंधन संरचना:

➢ **शासी परिषद:**

- केंद्रीय संस्कृति मंत्री की अध्यक्षता में।
- अध्यक्ष और सदस्य सचिव सहित 24 सदस्य शामिल हैं।
- निर्णय लेने में गैर-सरकारी इनपुट सुनिश्चित करने के लिए कॉर्पोरेट और सार्वजनिक क्षेत्रों, निजी फाउंडेशन और गैर-लाभकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

➢ **कार्यकारी समिति:**

- संस्कृति मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में।
- गवर्निंग काउंसिल द्वारा निर्धारित नीतियों को क्रियान्वित करने के लिए जिम्मेदार 11 सदस्यों से मिलकर बनता है।

➢ **कर लाभ और कानूनी ढांचा:**

- आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80जी (ii) के तहत एनसीएफ को दान 100% कर लाभ के लिए पात्र हैं।
- कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII संख्या (v) के तहत शामिल गतिविधियाँ, राष्ट्रीय विरासत, कला, संस्कृति और जीर्णोद्धार परियोजनाओं के संरक्षण के लिए सीएसआर योगदान की अनुमति देती हैं।

भूमिकाएँ और कार्य:

➢ **प्रशासन और अनुप्रयोग:**

- स्मारकों के संरक्षण, रखरखाव, प्रचार, सुरक्षा और संरक्षण के लिए निधि का प्रबंधन करता है।
- सांस्कृतिक विशेषज्ञों और प्रशासकों के प्रशिक्षण और विकास का समर्थन करता है।
- संग्रहालयों में अतिरिक्त स्थान के निर्माण और नए संग्रहालयों के निर्माण की सुविधा प्रदान करता है।
- लुप्त हो रही या विलुप्त हो चुकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों का दस्तावेजीकरण करता है।

➢ **परियोजना कार्यान्वयन:**

- विरासत परियोजनाओं को लागू करने के लिए कॉर्पोरेट्स, गैर सरकारी संगठनों और अन्य के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाता है।
- दानदाताओं को परियोजनाओं, स्थानों और कार्यान्वयन एजेंसियों का चयन करने की सुविधा प्रदान करता है।

- एएसआई परियोजनाओं के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक की अध्यक्षता में परियोजना कार्यान्वयन समिति (पीआईसी) की नियमित बैठकों के माध्यम से परियोजना की प्रगति की निगरानी करता है, और अन्य परियोजनाओं के लिए एनसीएफ/संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों की अध्यक्षता में।

➢ **लेखा परीक्षा और अनुपालन:**

- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा वार्षिक खातों का लेखा परीक्षण किया जाता है।
- दानदाताओं और प्रायोजकों को प्रत्येक परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) में निर्दिष्ट नियमों और शर्तों का पालन करना चाहिए।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

नर्मदा बचाओ आंदोलन

हाल ही में, दिल्ली की एक अदालत ने नर्मदा बचाओ आंदोलन के लिए प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को एक आपराधिक मानहानि मामले में दी गई सजा को निलंबित कर दिया। यह मामला दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा दायर किया गया था।

नर्मदा बचाओ आंदोलन के बारे में:

- नर्मदा बचाओ आंदोलन (एनबीए) भारत में एक सामाजिक आंदोलन है जो 1985 में नर्मदा नदी पर बड़े बांधों के निर्माण का विरोध करने के लिए शुरू हुआ था।
- इस आंदोलन का नेतृत्व भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने किया था, और इसमें स्थानीय आदिवासी, किसान, पर्यावरणविद् और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल थे।
- इस आंदोलन के लक्ष्य थे बांधों के निर्माण को रोकना, विशेषकर सरदार सरोवर बांध का, और सरकार और वित्तपोषण स्रोतों, विशेषकर विश्व बैंक से पारदर्शिता की मांग करना।
- आंदोलन ने तर्क दिया कि बांधों के निर्माण से हजारों लोगों का विस्थापन होगा और पर्यावरण पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा।
- यह आंदोलन कुछ बांधों के निर्माण में देरी करने में सफल रहा और 1985 और 1993 के बीच विश्व बैंक को सरदार सरोवर बांध के लिए अपने वित्तपोषण को समाप्त करने के लिए मजबूर कर दिया।
- सुप्रीम कोर्ट ने भी विश्व बैंक को परियोजना के लिए दिए गए ऋण की समीक्षा करने का आदेश दिया।

Ideas4LiFE

हाल ही में, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आईआईटी दिल्ली में Ideas4LiFE की शुरुआत की।

Ideas4LiFE के बारे में:

- Ideas4LiFE एक ऑनलाइन पोर्टल है जो पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को प्रोत्साहित करने वाले उत्पादों और सेवाओं के लिए विचारों और नवाचारों को आमंत्रित करता है।
- इस पहल का उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को मिशन LiFE की वैश्विक पहल में अपने नवीन विचारों के साथ योगदान करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना है।
- मिशन LiFE के प्रत्येक सात विषयों के तहत चयनित विचारों को मान्यता दी जाएगी और व्यक्तियों के साथ-साथ संस्थानों के लिए भी आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

MQ-9B

हाल ही में, रक्षा मंत्री की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने अमेरिकी कंपनी जनरल एटोमिक्स से 31 MQ-9B HALE UAVs की खरीद के लिए संशोधन को स्वीकृति प्रदान की।

MQ-9B के बारे में:

- MQ-9B, जिसे प्रीडेटर बी या MQ-9 रीपर के नाम से भी जाना जाता है, एक रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (RPAS) और जनरल एटोमिक्स एरोनॉटिकल सिस्टम्स द्वारा विकसित अनमैन्ड एरियल व्हीकल (UAV) है।
- यह एक हाई अल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्यूरेंस (HALE) ड्रोन है जो उपग्रह का उपयोग करके 40 घंटे से अधिक समय तक उड़ान भर सकता है और इसे दीर्घकालिक मिशनों के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसका उपयोग कई उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जिनमें शामिल हैं: आक्रामक मिशन, टोही, निगरानी और खुफिया संचालन।
- यह मॉड्यूलर है और विभिन्न प्रकार के पेलोड और गोला-बारूद जैसे मिसाइलों और बमों को समायोजित कर सकता है।
- ड्रोन का उपयोग भारतीय नौसेना, सेना और वायु सेना द्वारा समुद्री सुरक्षा, निगरानी और टोही गश्ती के लिए किया जाएगा।

अमीबिक ब्रेन इंफेक्शन

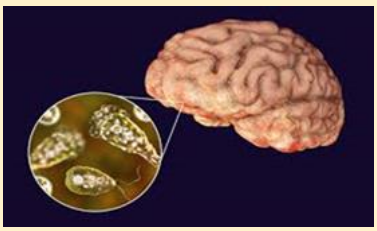

हाल ही में, केरल में एक चार साल के बच्चे में अमीबिक ब्रेन इंफेक्शन की पुष्टि हुई है।

अमीबिक ब्रेन इंफेक्शन के बारे में:

- अमीबिक ब्रेन इंफेक्शन, जिसे प्राथमिक अमीबिक मैनिंजोएन्सेफलाइटिस (PAM) भी कहा जाता है।
- यह एक गंभीर और अक्सर घातक बीमारी है जो नेगलेरिया फाउलरी नामक अमीबा के कारण होती है, जिसे "ब्रेन-ईटिंग अमीबा" भी कहा जाता है।
- यह अमीबा गर्म मीठे पानी के वातावरण में रहता है, जैसे कि झीलें, तालाब, नदियाँ और खराब रखरखाव वाले स्विमिंग पूल।
- यह तब संक्रमित करता है जब दूषित पानी नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है और मस्तिष्क तक पहुँचता है, जहां यह मस्तिष्क के ऊतकों को नष्ट कर देता है और सूजन पैदा करता है।
- अमीबिक ब्रेन इंफेक्शन के लक्षणों में सिरदर्द, बुखार, मतली और उल्टी शामिल हैं।

सुर्खियों में स्थल

ईरान

हाल ही में, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पर्ल जी नामक एक टोगो-ध्वजांकित तेल टैंकर को खाड़ी में जब्त कर लिया और कथित ईंधन तस्करी के आरोप में इसके नौ भारतीय चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना ईरान और कुवैत के बीच विवादित अराश तेल क्षेत्र के पास हुई।

ईरान (राजधानी: तेहरान)

स्थिति: ईरान, जिसे फारस के नाम से भी जाना जाता है और आधिकारिक तौर पर ईरान इस्लामी गणराज्य, पश्चिमी एशिया में स्थित एक देश है।

सीमाएँ: ईरान की सीमाएं पाकिस्तान और अफगानिस्तान (पूर्व), तुर्की और इराक (पश्चिम), अज़रबैजान, आर्मेनिया, तुर्कमेनिस्तान और कैस्पियन सागर (उत्तर) और फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी (दक्षिण) से मिलती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- करुन नदी ईरान की सबसे महत्वपूर्ण नदी है, जो ज़ाग्रोस पहाड़ों से बहती है और कृषि गतिविधियों का समर्थन करती है।
- माउंट दमावंद एक सक्रिय ज्वालामुखी है, जिसे अल्बोर्ज़ पर्वत श्रृंखला में स्थित एक स्ट्रैटोवोल्केनो माना जाता है।
- ईरान में तेल और प्राकृतिक गैस के पर्याप्त भंडार हैं।

सदस्यता: ईरान संयुक्त राष्ट्र, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, इस्लामी सहयोग संगठन, आर्थिक सहयोग संगठन, शंघाई सहयोग संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी सहित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में 14वां पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन विदेश मंत्रियों की बैठक कहाँ आयोजित की गई थी? – **वियनतियान, लाओ पीडीआर**
- 'ग्रीनियम' का क्या अर्थ है? – **ग्रीन बॉन्ड जारी करने वाले को संबंधित कूपन भुगतान पर बचत का भुगतान होता है**
- हाल ही में भारत के किस क्षेत्र में 'मैग्नेटोफॉसिल' की खोज की गई थी? – **लद्दाख**
- किस संगठन को हाल ही में शमन और अनुकूलन परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए ग्रीन क्लाइमेट फंड से $215.6 मिलियन प्राप्त हुए? – **सिडबी**
- हाल ही में देश के 500वें सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन कहाँ किया गया था? – **आइजोल**